## एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा

**सभी प्रश्नपत्रों के लिए अंक योजना समान एवं निम्नलिखित होगी –**

सम्पूर्ण प्रश्न–पत्र तीन खण्ड – 'अ', 'ब', 'स' में विभक्त होगा। प्रश्न–पत्र 75 अंक का होगा, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

खण्ड 'अ' में एक–एक अंक के विकल्परहित दस वस्तुनिष्ठ लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। (10 अंक)

खण्ड 'ब' में दस–दस अंक के विकल्परहित पाँच प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तक दिए जा सकते हैं। (35 अंक)

खण्ड 'स' में बीस–बीस अंक के विकल्प सहित दो प्रश्न होंगे। जिनका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(30 अंक)

## नवम प्रश्न–पत्र विकल्प–3 लोक साहित्य

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा –

### इकाई – I

लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन (अध्ययन)

लोक से अभिप्राय, लोक मानस, लोक का संबंध आदिम से अद्यतन, लोक साहित्य एवं परिनिष्ठित साहित्य का संबंध एवं भेद, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों – नृविज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान से संबंध।

### इकाई – II

हिन्दी प्रदेशों के लोक साहित्य का अध्ययन।

हिन्दी प्रदेशों के लोकगीतों, लोक गाथा, लोककथा, लोक नाट्य, लोक संगीत इत्यादि प्रदर्शनकारी कलाओं का संक्षिप्त अध्ययन।

## इकाई – III

राजस्थानी की विभिन्न बोलियों – मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूँढाड़ी, हाड़ौती, मेवाती के लोक साहित्य का अध्ययन।

## इकाई – IV

राजस्थानी लोक साहित्य संस्कृति का अध्ययन – शोध केन्द्र, मेले, प्रदर्शनी, संग्रहालय, पत्र–पत्रिकाएँ।

लोक के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर – लक्ष्मी कुमारी चुण्डावत, कोमल कोठारी, विजयदान देथा, सीताराम लालस, अगरचन्द नाहटा, देवीलाल सामर।

## इकाई – V

मेवाड़ अंचल का लोक साहित्य व संस्कृति – गवरी, माच, लोक गीत, लोक गाथा, लोक संगीत व वाद्य।

**सहायक ग्रंथ –**


1. मानव और संस्कृति – श्यामाचरण दुबे

   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति – श्यामाचरण दुबे

   राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

3. लोक परम्परा, पहचान और प्रवाह – श्यामाचरण दुबे

   राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

4. राजस्थान लोक संस्कृति और साहित्य – डी.आर. आहूजा

   नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

5. भारत की लोक कथाएँ – ए.के. रामानुजन

नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

6. राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा – डॉ. जयसिंह नीरज (सं.)

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, झालाना सांस्थानिक क्षेत्र, जयपुर

7. राजस्था का सांस्कृतिक इतिहास – गोपीनाथ शर्मा

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

8. राजस्थानी लोक साहित्य – नानुराम संस्कर्ता

राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

9. Rjasthan : An Oral History - Komal Kothari

Penguin Books, 23 K Gandhi Marg, New Delhi - 110001

10. भारतीय लोक नाट्य : वस्तु और शिल्प – देवीलाल सामर

भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर

11. सांस्कृतिक राजस्थान – लक्ष्मीकुमारी चुण्डावत

पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

12. लोक – पीयूष दईया (सं.)

लोक कला मण्डल, उदयपुर

13. कला प्रयोजन (पत्रिका) – हेमन्त शेष (सं.)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, बागोर की हवेली, उदयपुर

14. लूर (पत्रिका) – जयपाला सिंह राठौड़ (सं.)

राजस्थान फोकलोर स्टडी एण्ड रिसर्च सोसायटी, गोपालबाड़ी, चौपासनी, जोधपुर